

- Comp. : *d. down* : अवखनति ; *d. in* : निखनति ; *d. out or up* : उत्खनति. Ph. : *to d. a subterranean passage* : सुरङ्गं करोति, D. ; *to d. the ground* : भूमिम् अवदारयति, R.
- DIGEST (subs.) : संहिता, *d. of Manu* : मनुसंहिता.
- DIGEST (v.i.) : I. Of food : (1) जीर्यति (जृ, c. 4.), *what is eaten does not d. well* : भुक्तं सम्यक् न जीर्यति, Sr. ; (2) पच्यते, वि-, परि-, (pass. of पच्), Sr. ; (3) पाकं or परिपाकं गच्छति, व्रजति, etc., Sr. II. To suppurate : q.v.
- DIGEST (v.t.) : I. To arrange : q.v. II. Of food : जीर्णं (f. जीर्णा) करोति or जरयति (c. of जृ) (rare) ; *I will eat and d. (Vrikodara)* : वृकोदरं संभक्ष्य जरयिष्यामि, Mah. III. Fig. : to think over : अनुध्यायति, नि-, (ध्, c. 1.), S. IV. To brook : सहते (सह्, c. 1.).
- DIGESTIBLE : (1) शीघ्रपाकः (का, कं) ; (2) यः (या, यत्) (सुखेन) जीर्यति or पाकं गच्छति.
- DIGESTION : I. Arrangement : q.v. II. Of food : (1) पाकः, परि-, (2) जीर्णता. III. Digestive power : अग्निः, and those persons who have good d. : ये च दीप्ताग्नयो नराः, Sr. ; of weak d. : मन्दाग्नि (mf.), Sr.
- DIGESTIVE : i.e. causing to digest : पाचनः (नी, नं), Sr. Ph. : *d. organ* : *पाकेन्द्रियम्, पकाशयः. D. power : v. Digestion (III).
- DIGGER : (1) खनकः ; (2) खनितृ (m.) ; (3) खातकः.
- DIGGING : खननम्. Ph. : *gold d.s* : स्वर्णभूमयः (pl.), P. (or fully) खननयोग्याः स्वर्णभूमयः.
- DIGHT : v. To adorn.
- DIGIT : I. A measure : अङ्गुलम्, *measuring three d.s* : त्र्यङ्गुलः (ला, लं), Pa. II. Any number under ten : *आदिसंख्या, Ph. : *an eclipse of six d.s* ($d = \frac{1}{12}$) : अर्द्धग्रासः, Su.
- DIGNIFIED : (1) अनुभाववत् (f. ती) ; (2) महानुभावः (वा, वं) : v. Majesty.
- DIGNIFY : संभावयति, अनु-, (c. of भू) : v. To honour, promote, adorn.
- DIGNITARY : उच्चपदाधिष्ठितः (ता, तं) ; लब्धप्रतिष्ठः (ष्टा, ष्ठं).
- DIGNITY : I. Honourableness : (1) महिमन् (m.), *royal d.* : राजमहिमा, Mal. ; (2) अनुभावः, *high d.* :

- महानुभावः, Ki. II. Of style : ओजस् (n.), Ki. III. *High position* : (1) उच्चपदम् ; (2) प्रतिष्ठा : v. Honour.
- DIGRESS : Ph. : *I have d. ed. much from what I began to say* : यत् कथयितं प्रवृत्तोऽस्मि तत्परित्यज्यैवाति- दूरमतिक्रान्तोऽस्मि, K.
- DIGRESSION : expr. by circumlo : v. To digress.
- DIGRESSIVELY : expr. by circumlo, *to talk d.* : प्रस्तुतं परित्यज्य दूरमतिक्रामति (क्रम, c. 1.) or विषयान्तरं विस्तरेण विवृणोति (वृ, c. 5.).
- DIKE : I. A channel : q.v. : प्रणाली. II. Mound : q.v. : वप्रम्.
- DILAPIDATED : (1) विशीर्णः (जी, जीं), *with hundreds of d. edifices and turrets* : विशीर्णतल्पाट्टशतः (ता, तं), R. ; (2) जीर्णः (जी, जीं) (= decayed).
- DILAPIDATION : (1) विशीर्णता ; (2) जीर्णता.
- DILATATION : विस्तारः v. Expansion, extension.
- DILATE : I. To expand : q.v. : विस्तारयति (c. of स्तृ). II. To enlarge : q.v. : *विस्तरेण विवृणोति (वृ, c. 5.).
- DILATORILY : (1) विलम्बेन ; (2) कालक्षेपेन.
- DILATORINESS : (1) दीर्घसूत्रता, H. ; (2) चिर- क्रियत्वम्, Nil : v. Slowness, tardiness.
- DILATORY : I. Of men : दीर्घसूत्रः (f. त्रा) ; (2) चिरक्रियः (या, यं). II. Of acts : v. Slow, tardy.
- DILEMMA : I. Log. : *खण्डसिद्धान्तः, *the horns of a d.* : खण्डसिद्धान्तशृङ्गौः (n. dual). II. A difficulty : q.v. : विकल्पः, Sah.
- DILETTANT, -e : *प्रियदर्शकः ; आत्मविनोदार्थं कलासेवी.
- DILIGENCE : (1) उद्योगः ; (2) अध्यवसायः ; (3) अभियोगः ; (4) उद्यमः ; (5) अभिनिवेशः (appli- cation) ; (6) प्रयत्नः (effort).
- DILIGENT : (1) उद्योगिन् (f. नी) ; (2) अध्यवसायिन् (f. नी) ; (3) उद्यमिन् ; (4) अभियोगवत् (f. ती), Ki. : v. Active.
- DILIGENTLY : (1) सोद्योगम् ; (2) उद्यमेन ; (3) सोत्साहम् (= zealously).
- DILL : a plant : (1) शालेयः (?) ; (2) शतपुष्पा (?).
- DILUENT : तनूकरणशीलः (ला, लं) (?). Ph. : "*there is no real d. but water*" : यथार्थतो जलादन्यः पदार्थो नास्ति यः पदार्थान्तरान् तनूकरोति (thins) or विलयति (dissolves) or क्षीणीकरोति (weakens).